with the agreement reached between the World Bank and act of these two States.

मध्य प्रदेश में गांवों का विद्युतीकरण

1618. **श्री राघवजी:** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 31 मार्च, 1918 की स्थिति के अनुसार मध्य प्रदेश में ऐसे गांवों की जिला-वार संख्या कितनी है जिनमें बिजली नहीं पहुंच सकी है।

(ख) मध्य प्रदेश में संपूर्ण विद्युतीकरण कब तक कर दिया जाएगा; और.

(ग) मध्य प्रदेश में गांवों का विद्युतिकरण करने में क्या-क्या रुकावटें हैं और इन रुकावटों को दूर करने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

विद्युत मंत्री (श्री रंगराजन कुमारमंगलम): (क) उपलब्ध सूचना के अनुसार, 1991 की जनगणना में शामिल 71526 आवासीय गांवों में से 67959 आवासीय गांवों को मध्य प्रदेश में 31.3.1998 तक विद्युतीकृत किया जा चुका है जिससे केवल 3567 गांव अभी विद्युतीकृत होने शेष हैं। इस तरह के गांवों की जिला-वार संख्या विवरण में दी गई है। **(नीचे देखिए)**

(ख) और (ग) मध्य प्रदेश में शेष गांवों का विद्युतीकरण मुख्यत: वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता, मध्य प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की स्थिति, पारेषण एवं वितरण जैसे आधारभूत सुविधाओं तथा अन्य लिंकेजों पर निर्भर करता है। मध्य प्रदेश में जिन कठिनाईयों का सामना किया जा रहा है। उनमें से कुछ हैं गैर-विद्युतीकृत गांवों का दूर-दराज क्षेत्र में स्थित होना, आधारभूत सुविधाओं की कमी तथा निधियों का अभाव। ग्रामीण विद्युतीकरण निगम, मध्य प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड को ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यक्रमों को आरंभ करने के लिए आकर्षक शर्तों पर निधियां प्रदान करता है।

विवरण

क्र०सं०	जिला का नाम	अभी भी विद्युतीकरण किए जाने वाले गांवों की संख्या
1.	भोपाल	0
2.	रायसेन	88
3.	विदिशा	71
4.	शेहोर	4
5.	होशगांबाद	111
6.	राजगढ़	0
7.	बैतूल	17
8.	ग्वालियर	9
9.	दतिया	1
10.	मोरिना	64
11.	भिंड	5
12.	शिवपुरी	31
13.	गूना	72
14.	इंदौर	4
15.	धार	10
16.	झाबुआ	21
17.	खंडवा	5
18.	खरगौन	122
19.	उज्जैन	0
20.	रतलाम	0
21.	मदसौर	4
22.	शुजालपुर	3
23.	देवास	5
24.	जबलपुर	93
25.	मंडला	139
26.	नरसिंहपुर	2
27.	चित्तवाड़ा	6
28.	सिवनी	52
29.	बालाघाट	101
30.	सागर	102
31.	दमोह	105
32.	छत्तरपुर	14
33.	पन्ना	20
34.	टीकमगढ़	5
35.	रीवा	229
36.	सतना	151
37.	सिधी	23
38.	शहडोल	140
39.	रायपुर	216
40.	दुर्ग	35
41.	राजनंदगांव	160
42.	बस्तर	670
43.	बिलासपुर	207
44.	सरगुजा	262
45.	रायगढ़	188
	कुल:	3567

निर्माणाधीन विद्युत परियोजनाये

1619. **श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में मार्च, 1988 को अनेक विद्युत उत्पादन परियोजना निर्माणाधीन थीं;

(ख) यदि हां, तो ताप तथा जल क्षेत्र से संबंधित परियोजनाओं की संख्या कितनी-कितनी थी और इन परियोजना की अधिष्ठापित विद्युत उत्पादन क्षमता कितनी थी;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन परियोजनाओं के निर्माण में विलम्ब के कारण इन परियोजनाओं की निर्माण लागत में अब भारी वृद्धि हो चुकी है;

(घ) यदि हां, तो प्रत्येक क्षेत्र की निर्माणाधीन परियोजना की निर्माण लागत में कितनी-कितनी वृद्धि हो जाने का अनुमान है; और

(ङ) ये परियोजनायें कब तक पूरी कर लेने का निश्चय है?

विद्युत मंत्री (श्री रंगराजन कुमारमंगलम): (क) से (ङ) सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभा पटल पर रख दी जाएगी।

विद्युत की उत्पादन लागत

1620. **श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:** क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में वर्तमान में ताप तथा जल क्षेत्र में विद्युत का उत्पादन किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने उपर्युक्त प्रत्येक क्षेत्र में विद्युत उत्पादन क्षमता की उत्पादन लागत का अनुमान लगाया है;

(ग) यदि हां, तो नवीनतम आंकलन के अनुसार प्रत्येक क्षेत्र में उत्पादन लागत कितनी-कितनी है;

(घ) देश में ताप तथा जल क्षेत्र में विद्युत उत्पादन की लागत का औसत मूल्य कितना-कितना आंका गया है; और

(ङ) वर्ष 1997-98 के दौरान उपर्युक्त प्रत्येक क्षेत्र में कुल उत्पादन का कितना-कितना प्रतिशत विद्युत उत्पादन किया गया?

विद्युत मंत्री (श्री रंगराजन कुमारमंगलम): (क) जल विद्युत और ताप विद्युत केन्द्रों से वृहद् मात्रा में विद्युत का उत्पादन किया जाता है। इसके अतिरिक्त नाभिकीय संयंत्रों और गैर-परम्परागत स्त्रोतों के जरिए भी विद्युत का उत्पादन होता है।

(ख) से (घ) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा परियोजनाओं को तकनीकी-आर्थिक स्वीकृति प्रदान करते समय भारत सरकार मानदंडों और विनियम दरों पर 12% छूट दर की दर से स्तरीकृत टैरिफ और 68.49 संयंत्र भार अनुपात में ताप विद्युत प्रस्तावों के लिए 1.98 रु०/कि० वा० प्रति घंटा से 3.61 रु०/कि० वा० प्रति घंटा और जल विद्युत परियोजनाओं के लिए 1.31/कि० वा० घं० से, 3.51 रु०/कि० वा० प्रति घंटा का अंतर है।

(ङ) वर्ष 1997-98 के दौरान 420.62 बिलियन यूनिट के कुल ऊर्जा उत्पादन में से ताप विद्युत, जल विद्युत और नाभिकीय विद्युत केन्द्रों के लिए ऊर्जा का योगदान क्रमशः 336.10 बिलियन यूनिट (79.9%), 74.48 बिलियन यूनिट (17.7%) और 10.04 बिलियन यूनिट (2.4%) है।

पूर्वी क्षेत्र में विद्युत उत्पादन

1621. **श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:** क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश के पूर्वी क्षेत्र में विद्युत उत्पादन उस क्षेत्र में विद्युत की मांग से अधिक है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं और विद्युत उत्पादन तथा इस क्षेत्र की विद्युत की आवश्यकता की मात्रा कितनी-कितनी होने का अनुमान है;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस क्षेत्र में स्थानीय मांग को पूरा करने के पश्चात् अतिरिक्त विद्युत को विद्युत की कमी वाले क्षेत्रों में पहुंचाया जा सकता है; और

(घ) यदि हां, तो वर्ष 1995-96, 1996-97 तथा 1997-98 के दौरान विद्युत की कमी वाले किन-किन क्षेत्रों में विद्युत पहुंचायी गयी और इस अवधि के दौरान उनमें वर्ष-वार कितनी-कितनी विद्युत आपूर्ति की गयी?

विद्युत मंत्री (श्री रंगराजन कुमारमंगलम): (क) पूर्वी क्षेत्र में विद्युत का उत्पादन मांग से अधिक है जिसे विशेषतः दिन के गैर-व्यस्ततमकालीन घंटों के दौरान पूरा किया जा सकता है।

(ख) पूर्वी क्षेत्र में उपलब्ध अधिशेष विद्युत समय-समय पर मशीनों की उपलब्धता और मांग के आधार पर भिन्न-भिन्न होती है। क्षेत्र से बाहर 600-650 मे० वा० विद्युत का निर्यात करने तथा ताप विद्युत स्टेशनों को बंद करने के पश्चात् उपलब्ध अधिशेष विद्युत औसतन आधार पर लगभग 300 मे० वा० रही है। कमी का मुख्य कारण पश्चिम बंगाल और उड़ीसा के भागों में तथा बिहार के गंगा के उत्तर में पारेषण एवं वितरण संबंधी बाधाओं के कारण विद्युत की आपूर्ति न किया जाना रहा है। तथापि, इसे दृष्टिगत रखते हुए पूर्वी क्षेत्र से